

Padma Vibhushan



PROF. BALKRISHNA DOSHI (POSTHUMOUS)

Prof. Balkrishna Doshi was a Fellow of the Royal Institute of British Architect and the Indian Institute of Architects. After initial study at the J J School of Architecture, Bombay, he worked for four years with Le Corbusier as Senior Designer (1951-54) in Paris and four more years in India to supervise his projects in Ahmedabad. His office Vastu Shilpa (Environmental design) was established in 1955.

2. Born on 26th August, 1927, Prof. Doshi had been a member of the Jury for several international and national competitions including the Indira Gandhi National Centre for Arts, Aga Khan Award for Architecture and the Pritzker Prize. Apart from his international fame as an architect, he was equally known as an educator and Institution builder. He was the first Founder Director of School of Architecture (1962-72) and School of Planning (1972-79), Ahmedabad. He had been instrumental in establishing the nationally and internationally known Research Institute Vastu Shilpa Foundation for Studies and Research in Environmental Design. As an academician, he had been visiting the U.S.A. and Europe since 1958 and had held important chairs at American Universities.

3. Prof. Doshi was foremost among the modern Indian architects and had to his credit outstanding projects ranging from dozens of townships and several educational campuses, which include those for CEPT University, Ahmedabad; National Institute of Fashion Technology, New Delhi and Indian Institute of Management, Bangalore.

4. Prof. Joshi's distinguished professional career was more than matched by his academic achievements as the first founder Director of the School of Architecture, Ahmedabad started in 1962, which is regarded as both the pioneer and the fountainhead of modern architectural and planning education in India.

5. In recognition of his distinguished contribution as a professional and as an academician, Prof. Doshi had received several International and national awards and honours including 'Padma Shri' conferred by the Government of India in 1976; Honorary Doctorate from the University of Pennsylvania, USA in 1993; McGill University, Canada in 2006; Aga Khan Award for Architecture in 1996; Prime Minister's National Award for Excellence in Urban Planning and Design in 2000; Global Award for Lifetime Achievement for Sustainable Architecture by Institut Francais d'architecture, Paris in 2007; Officer in the Order of Arts and Letter from Ministry of Culture and Communications, French Republic in 2009; The Pritzker Architecture Prize in 2018; 'Padma Bhushan' conferred by the Government of India in 2020; Foreign Honorary Membership in the American Academy of Arts and Letters in 2021 and the RIBA Royal Gold Medal in 2022 personally approved by Her Majesty Late The Queen Elizabeth. It is one of the world's highest honours for architecture.

6. Prof. Doshi passed away on 24th January, 2023.



प्रो. बालकृष्ण दोशी (मरणोपरांत)

प्रो. बालकृष्ण दोशी रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ ब्रिटिश आर्किटेक्ट और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स के फेलो थे। जे जे स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर, बॉम्बे में आरंभिक अध्ययन के बाद, उन्होंने पेरिस में वरिष्ठ डिजाइनर (1951–54) के रूप में ली कार्बूजिएर के साथ चार वर्ष तक काम किया और अहमदाबाद में अपनी परियोजनाओं की देखरेख के लिए भारत में चार और वर्ष काम किया। उनका कार्यालय वास्तु शिल्प (पर्यावरण डिजाइन) 1955 में स्थापित किया गया था।

2. 26 अगस्त, 1927 को जन्मे प्रो. दोशी इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, आगा खान वास्तुकला पुरस्कार और प्रिंज्कर पुरस्कार सहित कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की जूरी के सदस्य रहे हैं। एक वास्तुकार के रूप में अंतरराष्ट्रीय ख्याति के अलावा, उन्हें एक शिक्षक और संस्था निर्माता के रूप में भी जाना जाता था। वह स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर (1962–72) और स्कूल ऑफ प्लानिंग (1972–79), अहमदाबाद के पहले संस्थापक निदेशक थे। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध अनुसंधान संस्थान वास्तु शिल्प फाउंडेशन फॉर स्टडीज और रिसर्च इन एनवायरनमेंटल डिजाइन की स्थापना में उनकी उल्लेखनीय भूमिका थी। एक शिक्षाविद के रूप में, वह 1958 से संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप का दौरा करते रहे और अमेरिकी विश्वविद्यालयों में महत्वपूर्ण पीठ पर आसीन रहे।

3. प्रो. दोशी आधुनिक भारतीय वास्तुकारों में अग्रगण्य थे और उन्हें दर्जनों टाउनशिप और सीईपीटी विश्वविद्यालय, अहमदाबाद; नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, बेंगलूर सहित कई शैक्षिक परिसर जैसी उत्कृष्ट परियोजनाओं का श्रेय दिया गया था।

4. प्रो. दोशी का विशिष्ट पेशेवर करियर, भारत में आधुनिक वास्तुकला और नियोजन शिक्षा में अग्रणी और स्रोत दोनों के रूप में विख्यात 1962 में स्थापित स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर, अहमदाबाद के संस्थापक निदेशक के तौर पर उनकी अकादमिक उपलब्धियों से कहीं अधिक उल्लेखनीय रहा था।

5. एक पेशेवर और एक शिक्षाविद के रूप में उनके विशिष्ट योगदान के सम्मान स्वरूप, प्रो. दोशी ने कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किए थे जिनमें 1976 में भारत सरकार द्वारा प्रदान किया गया 'पद्म श्री'; 1993 में पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका और 2006 में मैकगिल विश्वविद्यालय, कनाडा द्वारा मानद डॉक्टरेट; 1996 में वास्तुकला के लिए आगा खान पुरस्कार; 2000 में शहरी नियोजन और डिजाइन में उत्कृष्टता के लिए प्रधान मंत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार; 2007 में पेरिस के इंस्टीट्यूट फ्रैंकाइस डी'आर्किटेक्चर द्वारा सतत वास्तुकला के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट के लिए ग्लोबल अवार्ड; 2009 में संस्कृति और संचार मंत्रालय, फ्रांसीसी गणराज्य द्वारा ऑफिसर इन द ऑर्डर ऑफ आर्ट्स एंड लेटर्स; 2018 में प्रिंज्कर वास्तुकला पुरस्कार; 2020 में भारत सरकार द्वारा 'पद्म भूषण' सम्मान; 2021 में अमेरिकन एकेडमी ऑफ आर्ट्स एंड लेटर्स की विदेशी मानद सदस्यता और 2022 में स्वयं स्वर्गीय महारानी एलिजाबेथ द्वारा अनुमोदित आरआईबीए रॉयल गोल्ड मेडल शामिल हैं। यह मेडल वास्तुकला के लिए दुनिया के सर्वोच्च सम्मान में से एक है।

6. प्रो. दोशी का 24 जनवरी, 2023 को देहावसान हो गया।